अभ्यात से इब टे कि प्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप्राप्त अप किर होजा भेरत हो जा में प्रत्ये अर्थ के में

इस्ट्रेन, प्राणिक अपस्य इन्ह म्प्राण्य सन्त्र सम्प्राण्य ന്നു ചെച്ച उहु अध्य उन्नाम राधिक प्रतामिक प्रतामिक म्द्रामास्य म्हर्मात्र स्वराम् स्वर्मात्रम ४०२६ म्या नाया अस्माय ५५४४ एक प्रमूच सहीय दुन्द ल्या स्थाप एक्स प्रभागात स्थाप गमभूम होन्द्रं २.२ रिकार अस्त्रीणसभ्य निवास भारतिक भन्नम् **ଅନୁଲାର ଅଧ୍ୟର ବ୍ୟା**ଷ୍ଟ ଅନ୍ୟର ବ୍ୟାଷ୍ଟ ଅନ୍ୟ ചായി കുടുത്തു വെടുത്തു

म्बारीऽसन्तर्भ जाति हरे हुन जाति हैं ,दर्उज्जल स्ट्री कि स्वाध्यम पा॰र र्टी इंटेड असस, सर्कार दर्जन पार्टिष्ण जिल्ला , रें इस स्तर २/२ ४७द्ध णिस मिट एक अन्य प्रमान ज्ञा एद्धा

ചാവെ കുമാരെ വെടുത്തെ ॥ द्रिरीण रास्टर्स (०+८) क्र.२३ ४५४म मिर्मित । विस्ता र्दं ५ जिल्ला प्राप्त के विकास हो स्वास्त्र स्व मा १५५ हुना मध्ये

७८८५ ७ ाबिरामा स्वाटायार्थिक होडर्भर रहेनाया मा॰ तूम अहर, य ५० हर ह ॥ ब्रिकार्स हिस्त

इस्ट्रेन, ब्युज्यारुक इस्ड

लिखन जील सार्वि

टाप्राधि अजीतक अध्याप्त

र्णा एवर्र कि वि प्रश्नमण रि

265 ሕይያል የፈተር ነው። ከተደታ ነው መንያ

ह्रदर्श्वद महर्क्ट्यम एक्रम

लागर में अध्याध्य अध्यामा भूष्या भूष्या भूष्य भूष्य

и भिक्षणण्यले ही ब्रायाध्यस्थल ह्रायाध्य में उपाल

र्याणिय मार्यास्थ्रीर्य हुट्ट ख्यारमा प्राप्ति

श्रष्टेमार्पाट समर्थन हर्ष्ट ०२ पामा पार्यम भा

र्मेड प्रात्मिक भयापि <u>मिष</u>्या अर्थेम्

त्रिणाणेत्र प्रायम भत्रतामा भारतामा भारतामा अ

्राधिष्ठशास्त्र क्रिया भारतिक प्रमाणिक भन्नम् भारतिक

मित्र अर वर्ष ध्या ४८०५भा विद्यान अर्थनिह

मन्त्रा का किन्द्र हुम प्राप्त का प्राप्त का प्रमुक्त के प्राप्त का प्रमुक्त के प्रमुक्त का प्रमुक्त क

जार्रा रोखराजी हुए विश्व साम माम अधार होत्र प्राची के

ए<u>भन</u>्य संगापित पारामण शर्मेमप्रोत

हेरूएन लेखएभाएए

गर्द्ध हमड हमा प्राप्त केंद्र विद्याप्त माप्त प्राप्त माप्त प्राप्त माप्त प्राप्त केंद्र

ीजाराज अञ्चर्मप्रस्य होत्यार्ध रूक्यां एक अञ्चर पर प्राचित्र पर जाता ।

मरा पामार्कीणीराक एभन्म रूप्टर्व पाधा भद्रक पार्श माप्त जांड

ीम ए एम्सार्वस अर्धेमार्स्स रिक्टि ए एउदर्व विस्न २२०३ ४ अभिक्ट

र्रास्टर्स भन्याची केंग्राधित रहा ग्रद्ध अराप देव ग्राधित मध्य अभ्य

ा छिडीत्रपार्टीर एछत्वं छहीगा ०३ भारिक्र दे ह्रक होत्रपार्ट

प्राच्याम प्रशीषा भन्त मर्हर्स्टाप्ट्रं प्रा<u>भग</u> प्र २२ भन्नपात्ता रञ्जात्रम

स्टार्ज जाराम प्रमाद विद्यापार्यम हो ब्रायाच्या प्रमाद प्रमाद हो स्व

प्पम्भक्षीयाष्ट्रशञ्चर्क

胎2x肚



ाोन्रीमा °ग्र ७ (२+२.२) मध्य र्गार्भार्भ रहे हो हा हो हा हो है

४८८४५४ നാപ്ര പ്രാവുക

त्या अध्यय हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स हिन्स ॥ रेजी गार ही दर्ज से (०+३) अभी पाठ ही दर्ज (०+२,३) ८० अभिद्यं हे हर उर्ज के प्राप्त हो । र्जिन स्टरिंग स्ट्रिजार्स । विरोग स्टर्ज रिजिया । विरे

र्वाट स्वर्म था अजीवील अधार भारतिहरू

<u>भम्</u>दर्वण भ<u>म</u>्ह ील दर्ग कि वि पालमण

ा विराधित के स्थाप स्थाप के स्थाप अपने स्थाप

र्जणा छर्टाउँ रहरूका है स॰क हका र जेंगा वाह्य ह<u>म्ब</u>र्क होडाव्स हलु १२ होस्वरूपर समहोस्र<u>ुष्ट</u>

चित्र हें जा से हिन्दी है से प्रति है है है से प्रति ह

म°म अर्जिल्य प्राप्त प्राप्त

. जा के साथ के साथ के साथ का जाना है जो कि साथ का जाना है के दिन्न के साथ का जाना है जा कि साथ का जाना है जा क

म्था उमरीषा म्हरण कि मथ्य ॥विषय उत्हर्णाया उहु अस्य हो राज्य हो स्वाप्त किया है ।

ह्योग्रज विद्यार अर्गित हुए १ प्रायमिक सम्प्राय प्रमुक्त किया । अर्थ । अर्थ क्षेत्र कि क्षेत्र कि वर्ष कि

र्जा प्रतापात के प्रतापत करापत प्रतापत प्रतापत प्रतापत करापत करापत करापत करापत करापत करापत करापत करापत करापत कर

। विस्याप राष्ट्रीयोम हाराजानुर विद्यालक्ष्य मुस्यालक्ष्य मुस्या अस्याजन मार्<u>गम</u>्दर्वक <u>राज</u> ह ८-८

क्रिएभेज के से जिल्ला के से जिल्ला के से जिल्ला के से जिल्ला के सिंदा के सि

र स्वेनी प्रतास स्वापन स्वापन हो अने हो सार प्रतास हो है । इस स्वापन हो हो हो हो है । इस स्वापन हो हो हो हो हो

प्राया हो हे हे से सम्बंध हो हो हो हो है से सम्बंध हो हो हो से स्वाया है से सम्बंध सम्बंध से सम्बंध से सम्बंध स

ह्रक्य रूपा राधदा राजना प्राप्त राजना हाल । ज्यापा अर्था हाल । ज्यापा हाल । ज्यापा । ज्यापा । ज्यापा । ज्यापा

क्ष ३३ विकारभन्म विकारभन्न विकारमा विकारमा विकारभन्म विकारभन्म विकारभन्न विकारमा विकारमा विकारमा विकारमा विकार

M.C.24

W.C.24

एग्डर्स महीमार होरद्धम <u>भिष्</u>यभार – जाएकर

ाग्यय राज्यस्थात विषयान्त्रम् आत्यार्वे विषयम्

॥ रिस्यार रहिभौगीम हिन्या थ्या ८०१ या १० दिया भिन्न भिन्न

इ.स.स्ट्र

低光公田

प्रोप्पप्रस

र्षाणऋस्र स्रो

प्रोप्पाऋ४ए

風火出で風

क्रीभुष्टभाजाम्बर्धमा इ

॥ <u>भग</u>्योगार होरदर्ज र २-३ र ज्या जव्या जस्त्र स्वासक्र करी जो अपने प्राप्त हो अपने क्षा अपने क

॥ रियास मममा जारा दर्भ व्या हरू प्राप्त प्रभा

पारिर्णा विश्व होग्र क्या पर्या मह्या रहेगा ग्रीत वर्ष भ्रा

विद्याला अन्य निवास है है जिस्ता है जिस्

ജರ್ಲಿಚ ಾಗ ೧೭+೩) ಕಲ<u>ುಕ್</u>ಷಾ ೧೭+೩) ಅಭ್ಯಗ್ಗಲುಗಾರು ೯೩ಗ ಗುಗ್ಗಳ ತಾಗು ೧ (೭+೩) ಕ್ಷಿಪ್ ಕ್ಷರ್ ಕ್ಷಾಲ್ ಕ್ಷಾಲ್ ಕ್ಷಾಲ್ ල २२ ॥त्रीमा रिदिदर्स (०+२,३) (०+२.३) ४१८म॰भुम रूप रिज्ञिस ह्लोस्स ।विरोग्र रिदर्स (०+८) ॰षा ५(२+२.८) ४१८म॰भुम ୯୬୩ (2+9.3) मध्यापि ್ करिहर्ष द्रिमंध्र ॥ विशेष होदर्स ५ (2+3) विशेष अलार होरहर्ष होदर्स (0+7) दर्श र्ये विराद्धि (०+२.३) भेकः प्रता ११-३) भःगोढ प्र हिन्द हर होतद्धि (०+८) राज्यिष्मि ए प्र प्राप्ति प्रता प्रभेठमभूत ७७४ निष्य हिन्द हुए ३१ ॥ त्रियाम र्रायतम (०+३) भवाँ तर्म ५ ए ४ ए म निष्य हिन्द हुए ३१ ॥ त्रियाम दिभाग दिभाग ಪಕ್ರಿದ್ಯಪ್ತು ಜ हुए 03 ॥ जिरोगा होस्त्रज्ञ (०+२.३) द्या ५(२+३) फेर्डित प्र हिरुष ण (२ +२.३) र्रव्या ७०० हिरुष्ट ।। बिनाम होददंस (०+३) र्रमव्हद द र्रीदर्स (०+२.३) जस्टार्ट मध्य कि स्टर्थ रूप द्रव्यान्तिक व्य प्रत्नेत्र (१+२.३) अस्टार्ट्य प्रत्या सिर्पे ॥ोदीगाः ७७ ११-२) <u>भक</u>्रण्याः होद्धतं (०+२.२) <u>भक</u>्रण्याः त्रिक्र तम्प्राभिष्य र्यभ्रष्ट व्या सर्वा ११ - १.३) जीहरू ए जा स्रान्ध हुए निर्मास्थर जा प्रतिन्त्र हुए विम्निस्य का प्रतिन्त्र हुए

७७४० हररिल्ट हरू ३३ ॥ोदीमा रि ७७४० ७ (१+३) विधानीमा ८७४० ७ (१+२,३) रमन्दिनेदर्गार रब्र ७ ऋतीम ्रहेम् (३.+३) क्<u>रमिष्</u>रञ्जन्त्र सन्ता जन्म स्टरुव्य रण प्रत्याप्तर

മുവത്ര വുമാന

रज्यांग दम रहण एभम

मध्या रश्रह्म विषय अभ्य राज्य

ए.त. ४८८ ४८८ ५५ १९ ३३ ॥ोद्रीमा रामदर्ज (०+२.३) 0°म ७ (२+३) <u>भक्</u>षभरण रामदर्ज (०+२.३) ए (२+३) भिक्रात द्या स्टिप्ट प्रत्य प्रत्य । विरोगार प्रोर्ट्स (०+३) पालोगार ीठी प्रतम् (०+२.३) जञ्म॰र एक्य

म्द्रामास्य मध्यम නහා දුහාදුං

त्रा,्रा,28,52स. १८३: मित्रिज्ञम् क्रम क्रम क्रम क्रम **ज्या**,सत्य प्रज्ञासक्रमक्रम ता,ह श्रह्माय प्पीगातमध्यम ए॰त्रीलोगाल स्टब्स भा गेक्पर लिंडल भेरलग्रेहार्ग प्राथाणा रोन्धब्यः एक मन्म एक हें समादर्श प्पीरुज्यका एक्टर हो स्वापित हम क्रीर ज्ञलभीत २२०३ मरिलज्जरीमसभ्र स्टिपा अभारीयम स्रिक्टीडिक मार्थेन रीन्द्रेत् ॥ भुन्दुं चाभर एसम एकार % णर्भव्यः जास्त्रेत्र जामह २३ भर्रुब्दव्याच्या ಕ್ರಾಲ್ ಪ್ರಸ್ತಿಸ್ತಾಗಿ ಕ್ರಾಲ್ ಬ್ರಾಪ್ ಬ್ भाभारिष्ण स्वया प्रतिश्वास्त्राप्ति क्रियाम यभारतिक एक दक्षायम छट उसर जिए १००३ भिष्ठीम पारामा १००२ मध्य ॥ जिरप्यधिक मजनाय एष्टरम स्टर्भ स्ट. अस्ट जिस १००३ भव्याचा जासार्वयोग जिल र्जाचम भारतार्थे रुक्तम भारति रज्ञत्तवर अधर उमर जा ००५ मधीम ग्रज्यस्टार्याच मध्य ॥ रिष्टे मय हरूम मि १०० प्रस्ताम प्राप्त १०० प्रिताम ममम्म एष्ट्रम २७<u>६मिष्ट</u> ष्टर-२म२ मर्द्धा मध्य भाष्य भाषा मार्थे । THIS TO THE THE THE STORE ॥ ब्रिस्साप्रस्ट ग्रह्मद्वर्ग राज्या मीहर

ሚያል መርፅ ይታመር <u>አላ</u>ታ ይመር ገ እንደን መርፅ

ଅଷା ଧୀସଦଂସ ୪୯୦ ୦.೩ ୪ୀୱିଜଷାସ୍କ ସେଇଁନ କଞ୍ଚସ୍ଲ ମହୀନ୍ଦ<u>ହେ</u>ଦ୍ର ବ୍ୟାର୍ଫ<u>୍ର ହ</u>େ क्रे प्रभागतिक्षणाम २००१ एवर उर्धायन, उर्धायन क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रम क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रम क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिय क्रिय क्रिया प्रभागतिक क्रिया प्रभागतिक क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया प्रभागतिक क् रूप रहाई 22 गाहर भरमध्येह पाध्या हिए पाध्या मीर भारिए मार्थिज भीठ दण्याण राभिक्रसामार्यामा समारास्य<u>ार</u> भेन्स्याद सर्वन्सारित भागि इति मातः थ, हःश्वसः तामा शार १०२६ य असमा युस्य शार अधा माता माता भार १ हमरम हर्ष १८ वाम पारक था ०% भारिक में मक र करिर भारक्रमण गणायुगारामा यहा सहस्यात अरु कारण कार्या प्रमाण प्राप्त भारत है स्वर्गामा कार्या भारत है स्वर्गामा कार्या भारत रिभिक्षाण द्वाणी स्टर्क रिनिष्ठ मारा दिल्ली दिल्ली है वर्ष क्रिप्र के प्राप्त करिन गर्स मर्स्स ग्राधाराज्याचा वारास्य व्यवस्था प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप

गुणार्यार्थित अटामार अटामार एक्टर विषय

र्मम जहजारा जजरानाहरू माहर जहाराज्य १२४ महरूपार्य , त्रांसमद र प्राप्त हो भेर सिक्स साम कि स्वर्ध प्राप्त कि स्वर्ध के अप्राप्त के स्वर्ध के प्राप्त के स्वर्ध के प्राप्त के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्व जिणा अन्तर्भाष्य कार्ष्य कर्मा हुन कर्म स्वतंत्र कार्य मार्च भारत भारत ह ०३ भवस १४५ मा ७०० ५०० ८०० दिख्य विषय अत्तर दिख्य भारत भ<u>ण्यत</u> सारियम । रिजाडण द्वापीत स्टर्ल रिजा सरियम सुर्वे प्राप्ति स्टर्ल रिजा स्टर्ल स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्टर्ल स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्टर्ल स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्ट्राप्ति स्टर्ल स्ट्राप्ति स തിവന മാന്ത്യ് വിന്റ് അവ്യാന് വ്യാതിവ വരുന്നു വിധാന് പുരു പുരു വിന്റെ വിന്റെ വിന്റെ വിന്റെ വിന്റെ വിന്റെ വിന്റെ ा सरमण्डण मंद्र हाराज्यकाम जातिवर्षकाण्य पार्ट हाम एड महिल स्थान गाञ्चलः क्यालेलः एक्स गाराष्ट्रक ॥ १ १ ४ इस्कान्य हा १ भार स्वयं ॥ भिदर्श रिजाही एक स्थान अपन

! देश प्राधियार विषयित है । विषयित है । विषयित है ।

··· मारुद्यांति द्यंभार ···

जनर्प रह्म ग्राप्त विर्माध हर्न विद्युलक्र जिल्ला कार्य किल्ला कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य िस्थितं हे त्रिक्ता ॥ व्याप्त विश्व क्षा कार्य के कार्य कि सम्बद्धा । विश्व के विश्व के सम्बद्धा । विश्व के स ଫଳए୪୯୨ 🧀 ନ୍ଧିୟ ଅନୁଧା । 🗷 🗗 🖒 🖒 ಸ್ಆಾಪ ಕ್ಷತ್ರಾ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ನ್ಯವಿಕ್ಟ್ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಸ್ಟ್ರಾ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ್ಷಣ್ಣ ಕ र्देभारः ॥ प्राव्या प्राप्ता ଆ (Шभिर्दरीग्रीऽञ्चद) ४५ँ-ଠେ୪द ॥1ग्रहरूपम॰ଠ टेर्क 'टेर्क्स्टाचर्स' मारिकेश्वन' मार्क्स चारामा मान, ऋ४ले टायीमम भारतपाठक भागातपार्वकात पार्वकर्भ भारहें क्रिड्रहमा प्राप्त माणक क्रमा अप्रमान एगाडमाथेंडे ह्या र्ह्म । भागेर गदर्<u>क</u> रिज्ञाल ण्दर्व '१<u>७४८</u>०८७व' ण्रह्मर्रय प्रेष्ण र्राभरस्मात ण**्र**म क्षरज्ञारीक महक्र

) आरभर्रक विजाल'र किंद्र' हालायु ॥ ज़िह्नुभर्त ന്ത്രായ വാധ്യാ മലിവാപ്പുന്നു മെന്നു मह्या राज्य रहे हिन्स विश्वास विश्वास विजय मधीर रह्यंटर्बर एएभमण गापाप्टिं, रह्मपर्धे ්ෂා අත්යා ම්යාන් ක්රීම් වේස් වූ මෙන් ॥ छीलदर्श्नर छिष्ठडायिष्ठार दिम्रक महर्स्यात स्वस्थम ,४५मभूट रिस्मा स्रोलाट भव्स भाराज्य हैर्र सक्र लिटिएएए ब्रह्म अर्थ ।। देव कर जान सम्ब राज्य हैर्स रिर्धिद हर्द्ध भि<u>क्</u>रालस्थाद गरहार ण**्र**म क्षरज्ञारीक महक्र

एसर एक जिल्ला - जिल्लाह कि राज्य अधाम अभाग ीपामण्डम छरीह्रश्रद्ध लाजहर्द्धा प्रधम लक्ष्योभ सेन्नरूप टार टार होता है से स्वाप्त सेन्य अस्त्र सेन्य महामार्ग्य ४४८मार्ग्य मञ्जून - चिन्न्य प्रदेश मोगम **ਲ਼**ਲ਼ਫ਼ਫ਼ੑੑ੶ੑੑ੶ੑਜ਼ਲ਼ਲ਼ਫ਼ਫ਼ੑਜ਼ਸ਼ੑਜ਼ਲ਼ਲ਼ਫ਼ਫ਼ਖ਼ स्भिन् पार्षः हुन्ने पान्त हमरापान । प्रिनेश्वराज्य ,गरणडभरे रेषा पर्धेंद्र भग्रह्मर ,षि दर्धम णिष्ठगुभ्रेन् राजभन्तात रत्यादे रायारेज रुरुभ्रुष्टम स्मिक्शियाभाग पावा ४-५१८ स्वाम अंद्रीहरूद रिकेट प्रामम हरस प्रत्पाटाने एक प्र ಹ'भन्॰ ଅ'ନ୍ଧି<u>দଠ</u>ೀଠୀ୪ भुरामर्क' भुरागुरिञ्च ೪º୩ ಆ೨ ! ನವರ್ರಭಾಗಿ ಅಭಿ ... ಸವರ್ನ m°efoz" (ছঙ্গেত্ৰজ্বিত তেওঁতা শুক্ত জঙ্গৰ (জঙ্গা स्पटए)॥ प्रमुख एक्वर प्रमुख ॥ एक्वर ए५४%, दॅग्रोपाम व्यास्ट एक जिल्ला माधिमन लेख र जब रूम ॥ रियन्यर्जे रहणजीयीय पासेट भंगा प्राची भामम ४९ प्राप्त प्राची खड रहे में एक एक प्राची प्र जद छन्म ॥ वियामवद्या एर्डमील मञ्जाएड रहभ मन्यार्थयात्र प्रमाण्या प्रमाण्य रहाभ्या

क्र वाध्य ४५ इंड ४ सध्यापि , एमएक 'रीस्र्यय' एसीटायरम ४<u>भय</u>ें रार्ममुम<u>ू</u> माध्य प्रभावता अध्याधिक अध्याधिक माहिना मुख्य माहिना महिना म ,ह्रास्ट्रणडमब्राण जाभेडें ऑसीजभ्र िक्स रद्धर्र र्रत्यमः पा<u>भिष</u>्ठाह र्वमदः 'लीपाणेमा'भ'. सेन्नर गिमार त्या के स्वर्ध के अभीपाणे ता अभीपाणे स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध **11 भन्य स्ट्राट्स क्रिस अप्राच्या वित्र वितर** ीगारदर्व रिजाटपार्गात दम रिजा (अ<u>र्ट</u>गात देशसग्रद अर्थ पा॰क्कासार्थिक समक्तम रिजाटिस रिजाटिस

एषा ोर्र रोभग्रदर्व रिजर्भार्णापील श्रह्मभंज `ෂ යුසු', විශ්යුන් ක්ෂය දෑනෑ කරාදු मण रिमर रजमा रहारे हरिंगमार स्वरं अर्राषा १५ ॥ स्टिइंटर एगेरपार्रपाल स्नाप्पार्यम र्राप्त ए नेत्रदर्ग , जीवर्ग, जीवदर्ग प्राप्त अधि क्रीटार उमा , १४४५ ४ ह्या अरू भ्रत्या हो तथा अ रभद्यर पार्गा रिष्ठाया प्रध्या राज्य हिरोहण्य क्रिया जायद्व राजेतवा अभग्न ॥ राजिणीयार्थणायद्व प्रथळेत यत्मार्था गाउ०८ त्यात्रमात्राच्याच्या अस्तर्भ संस्था रीहण्य -ीयमधदर्ज हरदर्भण्य ॥ोय्रुट हर्भाष्यभ मन्ट्रम जिल्लाक्रम जिल्ला ॥ (दर्भटाप्पर्य रहमन् ज्या (अटाप्रस्वात) र्यम्य रङ्गा रुक्ता रुक्ता हुन स्वाप्त प्रम्म जेंद्रेण प्रातेए, एगक्टिस्ट्रेंट प्रसाण सर्वेत्र प्रस ॥ डोब्रायार्थ सुस्य <u>अस</u>मार्क्षा

जूर कार्य के अहर कि उसर कार हम ल्डमधार्य प्रकार प्रभाव अर्थे अध्याप्त अध्यापत अध्याप म्य आरप्पार्धिंड रमधी स्वाधित हैं उपार्थ ज्ञुन्न हैं रीटायां के उराया मापडार्स ३३०३ , उराया उपाया के 'प्रेड्रफ्रस्टर टॅंग्रोШ' नेडरू प्र³इन्स्टार टेन्न्यक्रम अर्धकार, जाब्यम ॥ थामक्रम (दरक्र '<u>गास</u> ग्रेट एक्समा' (सकत्तक्र ग्रेंगानटेक्स भिक्षा रात्र राजन्य पाराम रेमम् भारतिहरूम टेन्स्र आशिषा, प्राप्ताय क्षात्राच्या अध्याप्त अध्याप्त अध्यापत्र अध्यापत्र अध्यापत्र अध्यापत्र अध्यापत्र अध्य प्र इज्रस, "'प्रथ् जिल्म । अध्यादा रहा भा [`]ਆച്ചനംമ*ട*്യെന്<u>നു</u>ന്നുച്ച മുന്ന് പട്ടാ**യ്**, ഉര*്* राजिस से जिल्ला है जिल्लास राजिस कर है जिल्ला में जिल्ला है क्रिह्मण हर्रपान्त्रम् आत्वार्यः मञ्जेष्ठ पित्राराण ਨੀਜ -ਲ<u>ਡਾੰਬ</u>ਣ 'ਨੀਲਡਟ ਡਟ ਲ'ਜ' ॥ '...ੀਹਨਆਂ ਨੇ `भद्धक्षेत्र भामत्त्रीमः) हुरमञ्जू पाण्डीय एम ग्रह्महा ग्राप्त मर्जन ॥ रियाप्तर्य ग्रिपाञ्चरद[्]या ಕ<u>್ರೆಸ್</u> ಸಮ್ಮ ಪ್ರಸ್ತಿಸ್ತರ ಸಭ್ಯ ಜ್ಞಾನ್ಗೆ ॥ दिर्दे अंदशासमा दीहण्य जद पाभा थद पा॰म' विप्राप्तिम ,दर्र प्राप्ती अपन

क्रमार प्राप्त क्रमार स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप सार्वे स्थाप स्थाप सार्वे स्थाप स्थाप स्थाप सार्वे सार्वे स्थाप सार्वे भ्रज्ञाम प्रमान प्रम प्रमान प् प्रज्ञेन्द्र भारतमञ्जू प्राप्ति, भारतमञ्जू भन्नस्यान भन्नस्यात्री भन्नत्यातः ॥ अग्रात्यात्र य ३२०७ ष्रष्ठयञ् भिषदणर्हिंभी अग्रम पर्णार्ट निरुदर्क भिरोद्रोह र्देष आरेश्वा गल्ट प्रज्ञण अला अला अला हैं है मञ्जर्ध रज्ञन्त भारतस्य ५१८ भारतस्य महान उपराधान हिन्दे विषय विषय है है । रहाँचे पार्वे कार्य के प्राप्त हम्म मडळे. प्राथमा प्रधाप अत्यक्ष ।। त्यः श्र्व क्ष्या प्रमाश्य भूरताना अत्तर्भ जाना अतिहर्म आतार अभावान भ्धानिक प्राप्त प्रत्या भ्यात प्रत्यात स्वारा स्वारा प्रत्याप उप्र अहीर्त्र जिपासीसा । गिरहर्वर्ष भारति स्टान भागीर जरीहरूद पार्मिंड हमरे भारत रिज्ञ दिया है एषा ४ छर्च्य विशिष्ट्र रिप्टिश्स । दिंड रिप्परम भ्रज्ञक्तराध्यय पालमदर्भ जन्मदे भा (मर्क्या प्रे) भर्ष*े* ४मर्र भारतिय ॥ स्टर्भ २२.०२ अरोडोर भड•ंत्र . अराधिकार महाभारत हिन्दा महाभारत है है जिस्साधिक स्वार्थ के ्राणित्र , अत्रीधिक्षेत्र , भंजाजीव

ए॰ऋभट॰७ऋ'ए।। गुर्जे भिम पारिमर्झर ग्रद्धांग मुह्ह्यार दर्भम अमरटाणिश्रमी - युमटर हुनिन्द श्रह्मारा स्थापिश्रम टाया प्राप्त हिमार्थ स्थापित है स्थापित विश्व किया प्राप्त के स्थापित -၁മ്മിന്ധന്ത് ചെയ്യുന്നു പ്രത്യേത്യം स्वर्द्ध भिष्य ।। विशेषण वर्ष वर्द्ध गारणट्ये जन्म होनम्बर्ध । । जनस्था होनम्बर्ध होनम्बर्ध COREHA YTIMAS GATG PENCOAKORA सब्दाम् ।। जन्म स्वाधिक विकास ...। उणीणणी इर्हारवर्ष प्राप्त कर्मा अर्थे भिल्ला प्पीरुँद !प्पमणमाप ह्यर्गद ग्रीरद ज्योरह्यिष् (सरीघ्यल) र्रापाल-हैं लिस्रीक्षेत्रणाग्रज्जरीर समन्त्रम ीं इन्ध्री मण्याद । रण्या ह्या हिम्म നമ്പുന്ന നവ്യവം ക്രമുന്നു നവ്യവുന്ന നവ്യവുന്ന വരുന്നു വരുന്നു പ്രവേശ്യവുന്നു വരുന്നു പ്രവേശ്യവുന്നു പ്രവേശ്യവു **प्रदेश व्यामत्रक्य खेल्ट्य द्र्यां प्राप्त स्थाप**

प्रकृति एपिया १५ वर्ष विश्वास स्थान । रिध्येष्टे प्राया मन्न राष्ट्रीटा ।

र्टंटीण जापण्या

ण्याणा विषय क्रमिस्य विभिन्न

प्रक्रिक प्रक्रिक उप्रकृति र्रमधर रहें ज्याधम रिष्ण्डत्य मग्रह्मीत स्वरूस भारणाण्याद्यस्थ र्णात ०००,००२ भव्यामध्याम भरतास रेड्र सहम प्याजिक प्रशासिक्ट, रहेर प्रास्टाम र्रेस प्राप्ते होगाज्ञीय ॥ भारतिस्त्री स्रीय राज्य गामाम भारत मञ्ज रिण्डीट प्रांच प्रारह्म रुण रीत्रपार्भ ग्रह्म मञ्ज स्रोलक एक ज्ञान प्राम्म एक इस्त्राप्त 11 2 EXI<u>va</u>e II

टेंड प्रे प्राप्तेय सहम प्रकार देख-मणा अमर ऋरमुं अध्याप्त अधान-॥ रियाम् स्वाक्तम स्वक्रम द्वारा रूपण्रम ीणमन्ध ००२ ीरूर स्रीत्रैरू रीयपार्य स्टब्स्प्रिक भिराधक मञ्ज ७७९०,२ दर्भीम स्राधाराप्यक्रिंद ଠା<u>⊅ୟ</u>n

யீலத்தேலிய **अम्बर्ध** मण भरिणामण्या रहेराण स्वाधानिक्य र णाभेंक ोणासमर्जर ोणारोस्राराज माराष्ट्रका भारत्यां स्थापन विद्यापन ीट दर्स परिस एमए ४१५<u>५५</u> रिष्ण भागाराणि ग्रेहमएर्साप्र यसम्ब्राण स्तमम् व्यक्षेत्र व्यक्तमम् ॥ भुन्दू हे आया भारतीय है स्था मर्जर ण्डो भारत हुन । जिल्ला हुन । णायाव्यक्र ह्यार्वस विभाष्ट्रक मधोरू प्राप्तिय प्रमम्भव्य रिमा

हणास भाषा अध्यक्ष व्याप्त स्थान ज्याष्ट्र ४५५ राष्ट्रीय अस्म भरुप) एक दक्त निर्मा कि भी है । जिस्क दर्मम पाधदर्ग मधम ७ (७८) ह्या थ्रसम् व्यक्ति व्यक्तमान्त्र थ्रसमा गोर्ह्यात प्रभामभाष्य होत्रहें रर्जात उन्टर रूपाध्यम रद्धम दर्माप्राचा राष्ट्रा स्थानिक प्राप्तमा ॥ ब्रियामी स्रोटाम

CONTRACT TABLE

-०वंड के पार्ट के किन्स से अहरागार वासरेस संस्थान के कारण कारण चार के क ीष्प्रशिलाय-पालिद हुए त्रज्ञ **ए** मानव्य दम्मम पान्यद्वाम समय अमार् इन्द्रहें मानवर प्रजातिक मारामक इन्नात उत्पाद्ध भारतात्वाराज्यभागः रिप्टें जाणटर चँक्रोण सार्र चेन्यागाए। न्दर्भ स्रामा एस्य नोर्रेड रोधदर् ८३१० यात त्यात भारत १८६४ व १५५, गारा है जिल्ला स्थाप अर्थ कि अप स्थाप अर्थ के अप स्थाप स වයර් යලිය හිස පංතාඥාව र्याणप्र व्याप्त ।। प्राचित्र व्याप्त -9110000 रसक्रम 19115911111920रक्ट गण्ह्यत्य ग्रातमानुष्यान्त्र मञ्जूर प्रम रमणीटाम लह्यार्मम ॥ १४४५ र ४५५म <u>-ब्र</u>फे ग्रात्म क्ष्या⁶न रहाय मर्नार गान्त्रम प्राटमार्चार होधदर्श रह्या ॥ ग्रिष्ठभ -ग्रा मळ्य ठर्र गर राज्यार्थ भारत्या उमल्य क्रिस ॥ ज्हाँ यसका विशासक ह्याप्रम ीपाम १००२ रिस्ट हो स्टें - "य हो न्यार्थ सहद्वराध्या भारतमुभ्वह ष्ठील मध्य २०००,२ दर्ध्याम स्वाधालाचन्ह

> प्यारोपा टेंभम्म स्ट्रोसी, एंधामांधा-रिमक्त ह्टिकार सिल्जिक सिक्टिन सम्बद्ध जार्य कर जाता विश्वास क्रिक क्रिक प्राप्त -स्ट्रिय एक्सेनिय यान्यान्य प्रसं ம். இர் இதாயா தாயா இத்தார். प्राप्ते र जेन्या हो जिल्हा है जिल्हा है

-शोग्रम भाम⁹र्गस ग्रद⁹म रञ्जूम ूर टेप्टरेड्र स्ळाम प्रामाण में में ज -९० ह २९३२ ईमल्ला । बिराप्य क्रिक - अटे क्टाया प्राम⁹टर्भ होत्रज्ञ දිය දුරුවරයා ම නැත්වය වෙද <u>जिल्ला जन्मा समार्थ जिल्ल</u> हर्ससम्बद्ध सम्म अव्हत्त<u>रामात</u> रह क्टा भद<u>्रह</u>ें ॥ दियांस अर्ह्य मञ्ज -<u>ठा</u>ए भाञक्सभ<u>र्रासा</u>ट राज्य जन् क्ष्यं ४%म ४ दक्षिण हुण क्षिम ७% णीए अर्डे मा अर्थे व्यवस्थित हो प्र ताभिक्र के कि हो सामि देश के वाभिक्र

प्राणासाम ॥ भन्नती द्वित्वः हो के अञ्च மூர் கச்ச சர்மாற்களை म्पापट्स भारक एस अञ्जा रसक िर प्रार्थ २२ दर्गीम होत्रभर होड ा जिमभ्रोद्रप्राजी एष्ट्रंद मञ्जा लजाक

ीणीभम िन्स ग्रात्मभार्य प्राप्तम ोबस्य अंग्डाम ब्रह्मस्वर लब्द्याप्रम ग्रह्म मञ्ज राषा उर्वेट ब्रिसाम श्रुक्ता -भूगा भूग ०३३२ ईमाया ॥ भूमभूभिज्ञाम्म मित्र १८५ मार स्थानिक १८५० मार स्थान ेर उभरुगा पाटामाणी महंत्रम, हिसभुर 🏿 ीजापाटिट हुट हत्वाधम जिल्ह्याचि लिया प्राप्त स्थापन प्राप्त प्राप्त प्राप्त टाष्प्रीव्स्थित समस्म जिल्लाहरू गारह गमहीम भारतात्वात्वाद हेप्प - ग्रेंट स्वमभ्रम भार्रमभ्रह ग्राहर मामिज्याम

र्षमधर हर एउ एउ एउ एक्सर रर्श्वराणीम जदर्न 'प्रणाण्यादर्भरर टेक्सिण्य प्रज्ञात गा<u>र</u>ेए॰४३णि माधिक हुए महा हुई भाषासन्दर्भात पारणण हैं से प्राप्याच्या हे हम्भ ीणहाणायाज्याच्या एवर्द्री १५४ छन्पार्थ प्रामुक्त एँए स्वाराज्य मर्झार उमर्रोम ग्रेट अस्ट्रीम । जिल्लाभ्य कर् होत्रदर्ग हजमाँग जप्पर्रहण्य परिहद निमस्त एक स्थाप स्थाप स्थाप गञ्ञ ० ३ जरीठीम गिर्णास स्वापुम रा रेतमार रञ्ज

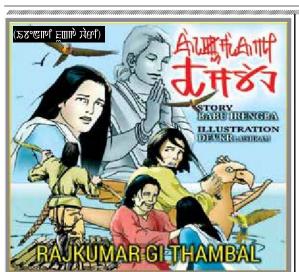
स्थानम भार्षमात व्रसम्भा भ्रतम क्र<u>म्</u>यान्य ध्रम्न मान्य्य भागामक मधि , त्रिदर्श एसए अभिक्ष रश्रीर मि गिश्रीराध्य पारिस्थित्र कि र्रसभर ७४दर्भ रिमर ग्रदर्श्य स्टब्स्प्राम निपारम क्रिमम ण गिर्छा ज्याचित्र भ्रश्नास्तर भ्रश्नास्त्र <u>भह</u>मुल गाराष्ट्रक हैंद्रम भाम॰५म टा प्राप्त विकास विकास विकास रुपार्याम रुप्रभंत पार पार्रसभिष्ठ ॥ भिदर्व दर्ग दर्शना भिद्रम ीणामक छोठणा॰म रह २४३२ र्रमाष्ट्रा

ग्राभरदी ज्वराग ਨੂੰਟਾਫ਼ੁਗਾਪੀ हुट निकासमा अञ्चलका ऍएडरू सेट॰मार्ग पार्ज पारुआएए ल्याध्या राज्यं गर असाउम णिहाम र्रेट हिम्म अन्यात्तिक । बिसार्रेस ४वर्ड बर्गाय गान्हिंस -०ायर्ष्ट्रिय प्रात्याच्य हर्षमञ्जर प्रमित्रीम मा ज्ञा अभिने हुआहे हिल्ला हुन रिस्ताम हार्मि उर्वेड हरणान् िराम गाटिष्ट भेगठाजि उन्हों ॥ भिदर्श रिष्ठधम

श्रभेरू सम्पाणग्रदभर्ध हमभूष भारता प्राप्त स्वापिक (प्राप्त प्राप्त प्राप्त उद्धारी विद्यास प्रमाधन होते प्रमार -दैप्राण ४५५ स्वाधे ४५ अप्राच अश्रिका अर्थे माध्यावर्ष त्रवर्ध मार्थे ण्यः विश्वास विश्व विष् -हुन्द्र भूसम्बद्ध असम्बद्ध <u>अत्त</u>-पा॰लदर्य प्रमधीम हुरणाप॰णद -र्गापेभ एदर्न् १ए४ए१सा एप्पर्स्स्यन्त स्ट्रसम्बद्ध ॥ जिल्लाह्य प्रसम्बद्ध र्रिया हुरूया देन एमर्र रिमर्गा स प्राप्तिम पार्टिस्ट १ वर्ष्य भारिष्ट्रम क्रिंग साम माउम । १ त्रिंग प्रतिष्ठ र्रज्ञस्य हर्सानुष्टम् विश्वास **४५ व्याटार्ट्ड प्रत्याधिक वार्टाव्य** रीम स्रिएक मधम ॥ प्रभन्त राजुर ጣපසුද් දු දු දු දැ වෙන වන වන වන වන स्थार प्राप्ति।

स्ट्रेक्टि गीण्डिक्ट मिर्ह्स विश्वेत -समट रद्धकाम जापारि रद्धा मर -सि पार्गद स्रहंसभर रमभद्रकी मञ्जा ेटाएक व्रिस्त कार्याचित्र राज्य व्यास भिर्मे सम्बर्धि स्वाधिक स्वाधिक सम -र्ट पा॰र पा॰र रद्धा मठ समर्पम गाएक्समही।

സ്പെന്നെ നവും വായ പ്രാല് टप्पा हो त्रपार्य स्वास्त्र स्थान ळळळं में जाणीटाण क्रिये इंडाचा टेटे टेटिए प्रस्थक मूर्रिकाल गामऋक्रिसाए भाषेक्र



म॰७८७ रोभेट एएएए। ए<u>भष्</u>ध इन्हरू हा स्थान । देञ्चा അടത്തെ यादक्षा ।

भार्न्नाण्य प्रभिदर् णर्भरू ४.५४० यात्रा १.५४५ मू दुम्प्रताय भ्रष्ट स्वयं स्वाप्ताम्बर् गार्क्ट्राच्या स्थापित होता है रूपायभुराणीय ४२५ भ हट<u>ऋक्</u>डा स्टब्स् क्षेट्र स्टाउ में हार्य प्रमण भारत प्रेष्ट्र ಸ್ಪ್ರ್ಯಪ್ತ್ ಸ್ಟ್ರ್ಯಪ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಯ್ಸ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಸ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ್ಟ್ಟ್ ಸ್ಟ್ರ ॥ जिममभुरुद्ध

